Shodh International: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)
Vol. 2, Issue 1- 2017

छिन्दवाड़ा विकासखण्ड (छिन्दवाड़ा जिला) में जनसंख्या संयोजनः एक भौगोलिक अध्ययन

डॉ. देवेन्द मुझाल्दा[*] विनोद श्रीमाली[**]

प्रस्तावना

जनसंख्या किसी प्रदेश अथवा देश का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है जो उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव बनाता है। अपितु कुशल, प्रशिक्षित एवं मेहनती श्रम शक्ति आर्थिक विकास के मार्ग प्रशस्त करने में सहायक होता है। यही कारण है कि किसी प्रदेश अथवा देश कि वास्तविक शक्ति उसकी जनसंख्या कि मात्रा के साथ–साथ मानव गुणवत्ता पर निर्भर करती है।

किसी क्षेत्र अथवा प्रदेष की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक, पृष्ट भूमि जनसंख्या में हो रहे परिर्वतनों का प्रभावी प्रतीक होते है। जनसंख्या किसी क्षेत्र की जनसंख्याकीय गतिशीलता का स्त्रोत होता है। जनसंख्या वह तत्व है जिससे क्षेत्र अथवा प्रदेश के सभी तत्व गहन रूप से सम्बंद्ध है। किसी क्षेत्र की,जनसंख्या वृद्वि उस क्षेत्र की संपूर्ण जनसंख्या संरचना को समझने की मूल स्त्रोत होता है (चाँदना, 2005)। प्रस्तुत अध्ययन में सुक्ष्मस्तरीय अध्ययन की दृष्ट्रि से क्षेत्र के अलग–अलग भौगोलिक परिवेशों से प्रतिदर्श ग्रामों का चयन किया गया ताकि जनसंख्या पर उनके प्रभावों को समझा जा सके।

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्वेश्य,

1. अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न दशकों में हुई जनसंख्या वृद्धि दर एवं प्रतिरूप का अध्ययन करना।
2. आर्थिक विकास के स्तर पर जनसंख्या वृद्वि के प्रभाव को समझना एवं अध्ययन करना।
3. जनसंख्या संरचना के बदलते स्वरूप एवं उनके संभावित कारणों को जानना एवं अध्ययन करना।
4. अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या संरचना बदलते स्थानिक, कालिक, प्रतिरूप का अध्ययन करना।
5. अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता की स्थिति एवं स्तर का अध्ययन करना।

विधि तन्त्र

प्रस्तुत अध्ययन के उद्वेश्यों के परिपेक्ष्य में व्यवस्थित स्तरित और याद्रच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा पांच प्रतिदर्श ग्रामों का चयन किया गया है। जो विभिन्न भौगोलिक स्वरूपो एवं पर्यावरणीय दशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। जनसंख्या वृद्वि दर दशकीय वृद्वि दर जनसंख्या वितरण एवं धनत्व, स्त्री–पुरूष अनुपात तथा साक्षरता दर संबधी आंकड़ों को प्रश्नावली के आधार पर सर्वेक्षण द्वारा संकलित किया गया। ताकि जनसंख्या संरचना में हो रहे परिवर्तनों के कारणों एवं उभरते प्रतिरूपों को समझते हुए अध्ययन किया जा सके।

[*]सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवाड़ा (राज़)।
[**]शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर राजस्थान।
Correspondence to: डॉ. देवेन्द मुझाल्दा, भूगोल विभाग, माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवाड़ा (राज़)।
E-mail: devendramuzalda@gmail.com

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

आंकड़ों के स्त्रोत

प्रस्तुत अध्ययन हेतु द्वितीयक एवं प्राथमिक स्तरित आंकड़ों को संकलित किया गया है। याद्रच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा अध्ययन उद्वेश्यों के परिपेक्ष में पांच प्रतिदर्श ग्रामों का चयन किया गया। प्रश्नावली के माध्यम से चयनित प्रतिदर्श ग्रामों एवं वहाँ के चयनित ग्रामीण परिवारों से साक्षात्कार द्वारा प्राथमिक आकड़ों एवं जानकारियों को संकलित किया गया है। साथ ही अध्ययन हेतु जिला सांख्यिकीय छिन्दवाड़ा कार्यालय, जिले के गजेटियर माध्यम से द्वितीय आंकड़ों को संकलित किया गया है।

संकलित आँकड़ों को वर्गीकृत कर तालिकाएं तैयार की गई तथा सांख्यिकीय विधियों का उपयोग कर आंकड़ों को रूपांतरित किया गया।

तद्पश्चात आरेखों द्वारा आँकड़ों को प्रदर्शित किया गया ताकि उभरते प्रतिरूपों एवं उनकी दिशा को समझते हुए अध्ययन किया जा सके।

अध्ययन क्षेत्र

छिन्दवाड़ा जिला क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा जिला है जो सतपुड़ा पठार में 21′28′ से 22′49′ उत्तरी अक्षाश से 78′40′ से 79′.24′ पूर्वा देशान्तर में स्थित है। अध्ययन के क्षेत्र में 11,815 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फेला है। तथा समुद्रतल से 1164 मीटर ऊंचा है भौगोलिक द्रष्टि् से छिन्दवाड़ा जिला प्राकृतिक सौन्दर्य तथा संसाधनों से सम्पन्न विषम धरातलीय क्षेत्र है अध्ययन क्षेत्र के पर्वत तथा पठारी भाग सतपुड़ा की महादेव पर्वत श्रेणी के अन्तर्गत् आते है। कन्हान, पेंच तथा कुलबेहरा प्रमुख नदियां है। क्षेत्र में आर्कियन समूह, गौण्डवाना ढक्कन ट्रैप युगीन चटटानें पाई जाती है। 2001 में जिले की जनसंख्या 18.49 लाख थी जनगणना 2011 में बड़कर अध्ययन क्षेत्र में 20,90 लाख जनसंख्या हो गयी। जिनमें पुरूष 10,63 लाख एवं महिलाएं 10,27 लाख है। 1991 में 952 था जो बड़कर 2001 में 953 हो गया 2011 के अनुसार लिंगानुपात 966 था जो पिछले कुछ दशकों में लिंगानुपात में भी परिर्वतन हुआ है। तालिका क्रमांक 1 (शोध पत्र के अन्त मे) से स्पष्ट होता है कि सर्वेक्षित प्रतिदर्श ग्रामों को जनसंख्या घनत्व अध्ययन की दृष्टि से तीन वर्गों में रखा जा सकता है। प्रथम वर्ग जिसमें प्रतिदर्श ग्राम सुसरई जिसमें जनसंख्या घनत्व 2001 में 250 था जो प्राथमिक सर्वे 2008 में यह बढ़कर 257 प्रतिवर्ग कि.मी. हो गया। जिसमें निरपेक्ष जनसंख्या घनत्व में 7 की वृद्वि हुई। द्वितीय वर्ग में प्रतिदर्श ग्राम खापाकलाँ में जनसंख्या घनत्व 2001 में 211 प्रतिवर्ग था 2008 में जो प्राथमिक सर्वे में यह घनत्व बढ़कर 217 व्यक्ति हो गया। जिसमें निरपेक्ष जनसंख्या घनत्व में 6 की वृद्वि हुई। इसी तरह ग्राम धागड़िया में जनसंख्या घनत्व 204 प्रति व्यक्ति वर्ग कि.मी. था जो प्राथमिक सर्वे 2008 में यह बढ़कर 259 प्रति व्यक्ति वर्ग कि.मी. हो गया जिसमें निरप्रेक्ष जनसंख्या घनत्व में 5 की वृद्वि दर्ज की गई। तृतीय श्रेणी में ग्राम सुनारी मोहगावँ तथा ग्राम जैतपुर सम्मिलित है। ग्राम सुनारी मोहगाँव में 2001 में जनसंख्या घनत्व 152 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. जनसंख्या निवास करती थी जो 2008 में बढ़कर 154 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. हो गया जिसमें निरपेक्ष जनसंख्या घनत्व में 2 प्रतिवर्ग कि.मी. की वृद्वि हुई।

जनसंख्या वृद्वि

तालिका क्रमांक 2 (शोध पत्र के अन्त मे) किसी क्षेत्र और देश में एक निश्चित अवधि अथवा अन्तराल में जनसंख्या में होन वाले परिर्वतनों को जनसंख्या वृद्वि कहा जाता है। किसी क्षेत्र व प्रदेश में जनसंख्या वृद्वि प्रमुख

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

रूप से जन्म–दर और प्रवास पर निर्भर करता है।

अनुसूचि जनजाति

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्राम सनारी मोहगाँव में कुल जनंसख्या में 2008 के अनुसार 22.76 % अनुसूचि जनजाति है। ग्राम खापाकलाँ में 2008 में अनुसूचित जनजाति 4.30% निवास करती है। ग्राम जैतपुर में 2008 के अनुसार 13.85% जनसंख्या है। ग्राम धगाड़िया में 81. 16% जनसंख्या अनुसूचित जनजाति की है। जो प्रतिदर्श पाँचों ग्रामों में सबसे अधिक है। ग्राम सुसरई में 2008 के अनुसार अनुसूचित जनजाति 25.52% जनसंख्या है।

अनुसूचित जाति

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्राम सुनारी मोहगाँव में 2008 में क्षेत्रीय कार्य के अनुसार अनुसूचित जाति कुल जनसंख्या में 24.61% ग्राम खापाकलाँ में अनुसचित जाति 14.79% है। ग्राम जैतपुर में 12.32% है। ग्राम धगाड़िया में अनुसूचित जाति 11.90% है। ग्राम सुसराई में 28.67%जनसंख्या अनुसूचित जाति की है।

अन्य पिछड़ा वर्ग

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्राम सुनारी मोहगाँव में कुल जनसंख्या में अन्य पिछड़ा वर्ग में 2008 के अनुसार 30.30% है। ग्राम खापाकलाँ में 7. 50% है। ग्राम जैतपुर 70.71% है। जो सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों में सबसे अधिक है। ग्राम धगड़िया में 7.15% तथा ग्राम सुसरई में 16.42% अन्य पिछड़ा वर्ग कि जनसंख्या निवास करती है।

सामान्य वर्ग

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्राम सुनारी मोहगाँव में कुल जनंसख्या में सामान्य वर्ग 19.8% है। ग्राम खापाकलाँ में सामान्य वर्ग का 5.90% है। ग्राम जैतपुर में कुल सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों सबसे कम 2.67% जनसंख्या सामान्य वर्ग की निवासरत है। ग्राम धगाड़िया में सामान्य वर्ग की जनसंख्या नहीं है। क्योंकि यह ग्राम आदिवासी ग्रामीण बाहुल्य है। ग्राम सुसरई में कुल जनसंख्या में से 29.54% जनसंख्या सामान्य वर्ग की है।

तालिक क्रमांक 3.सर्वेक्षित प्रतिदर्श ग्रामों में स्त्री-पुरूष-अनुपात

क्रमांक	सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्राम	2001*		2008**		लिंगानुपात प्रतिहजार पुरूषों पर		लिंगानुपात में परिवर्तन
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	2001*	2008**	
1	सुनारी मोहगाव	336	304	357	293	904	820	−84
2	खपाकलाँ	534	536	601	494	1003	821	−182
3	जैतपुर	293	249	301	259	849	860	+11
4	धगाड़िया	299	317	310	320	943	968	+25
5	सुसरई	410	368	419	318	897	906	+09

स्त्रोत :– * जिला सांख्यिकीय कार्यालय छिन्दवाड़ा, **क्षेत्रीय कार्य 2008 ।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

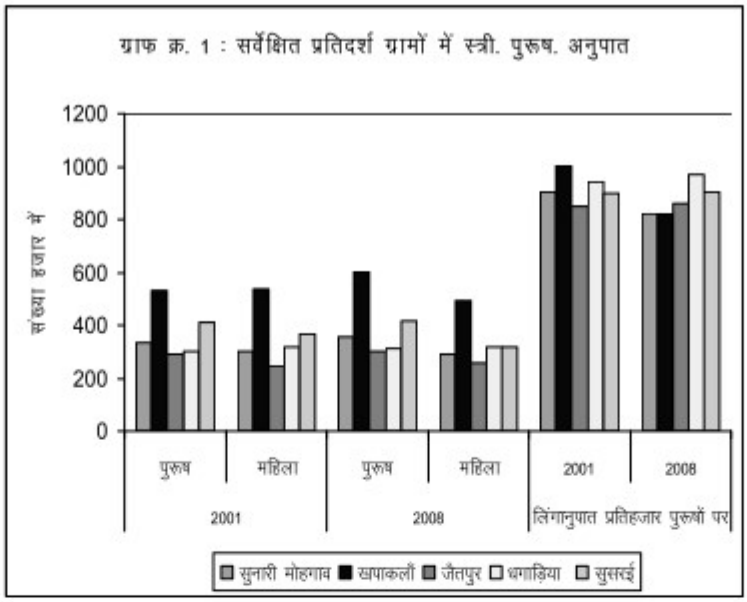

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों में स्त्री–पुरूष अनुपात का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन कि दृष्टि से उन्हें तीन वर्गों में विभाजित किया गया है। प्रथम वर्ग में प्रतिदर्श ग्राम सुररई में 2001 में प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 897 थी जो बढ़कर 2008 में 906 हो प्रतिदर्श ग्राम में 2001–2008के मध्य प्रति हजार पुरूषों पर +09 स्त्रियों की संख्या में वृद्वि हुई प्रतिदर्श ग्राम जैतपुर में 2001 में प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 849 थी जो बढ़कर 2008में 860 हो गई।

प्रतिदर्श ग्राम धगाड़िया में प्रति हजार पुरूषों पर 943 स्त्रियाँ थी। जो बढ़कर 2008 में 968 हो गयी। 2001–2008 के मध्य प्रति हजार प्ररूषों पर स्त्रियों की संख्या में +25 की वृद्वि हुई। उपरोक्त तीन प्रतिदर्श ग्रामों में प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या में वुद्वि के पीछे कई कारण है जिनमें प्रमुख लड़का व लड़की को एक समान मानना छोटे परिवार के प्रति जागरूकता शिक्षा में सुधार आदि कारण है। तृतीय वर्ग में प्रतिदर्श ग्राम सुनारी मोहगाँव एवं खापाकलाँ सम्मिलित है। प्रतिदर्श ग्राम सुनारी मोहगांव में 2001 में प्रति हजार पर स्त्रियों की संख्या–84 की घिरावट दर्ज हुई। प्रतिदर्श खापाकलाँ में 2001 में प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या थी जो 2008 में घटकर 821 की गिरावट दर्ज कि गयी। उपरोक्त प्रतिदर्श ग्राम सुनारी मोहगावँ और खापाकलां में लिंगानुपात गिरावट के लिए मुख्य रूप से धार्मिक कारण,लड़की को पराया धन मानना, पुत्र मोह आदि कारण है।

साक्षरता

मानव द्रष्टिकोण से साक्षरता जनसंख्या का एक ऐसा सामाजिक पक्ष है, जिसके आधार पर सामाजिक विकास के मापदण्ड निश्चित किए है। साक्षरता जनसंख्या का गुणात्मक तथ्य है । जो क्षेत्रीय आधार पर परिर्वतनशील सामाजिक आर्थिक प्रवृत्तियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। साक्षरता के विकास से मनुष्य सीमित परिवेश से बाहर निकलकर अपने क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक और राजनेतिक प्रवृत्तियों से सबंध स्थापित करताक्र है, जिससे अध्ययन क्षेत्र एक इकाई के रूप में सम्पूर्ण मानवीय समाज, विकास क्रम में क्रमशः प्रगति कर सके।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

तालिका 4.सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों में साक्षरता का स्तर,2008

क्रमांक	प्रतिदर्श ग्राम	साक्षरता (प्रतिशत्)		निरक्षता (प्रतिशत्)	
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
1.	सुनारी मोहगावँ	55.42	44.58	57.87	42.13
2.	खपाकलाँ	60.00	40.00	43.55	56.45
3.	जैतपुर	60.92	39.08	45.50	54.59
4.	धगाड़िया	52.92	47.08	49.15	50.86
5.	सुसरई	55.74	44.28	48.72	51.28

स्त्रोत :–*क्षेत्रीय सर्वेक्षण 2008

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों में सुनारी मोहगाँव में पुरूष 55.42% तथा महिला 44.58% है तथा निरक्षर पुरूष 57.87% एवं 42.13% महिला निरक्षर है। ग्राम खापाकलाँ में पुरूष 60.00% एवं 40.00% महिलाएं शिक्षित है 43.55% पुरूष एवं 56.45% महिलाएं निरक्षर है। ग्राम जैतपुर में 60.92% पुरूष तथा 39. 08% महिलाएं शिक्षित है। 45.50% तथा 54.49% महिलाएं निरक्षर है। ग्राम धगड़िया में पुरूष 52.92% एवं 47.08% महिलाएं शिक्षित है। 49.15% पुरूष एवं 50.86 महिलाएं अशिक्षित है। ग्राम सुसरई में 55.74 %पुरूष एवं 44.28% महिलाएं शिक्षित है। 48.72 %पुरूष एवं 51.28%महिलाएं अशिक्षित है।

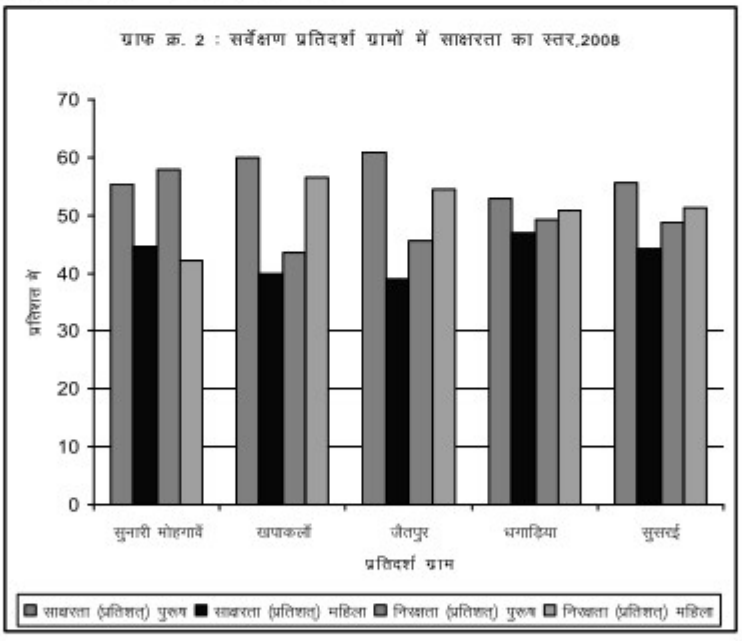

समस्याएं एवं समाधान

सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों का अध्ययन करने से यह स्पष्ट होता है कि जनसंख्या वृद्वि–दर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति समुदायों में अधिक है। साक्षरता का स्तर भी इन्ही समुदायों कम है। सर्वेक्षित प्रतिदर्श ग्रामों में पुरूष महिला अनुपात में कुछ प्रतिदर्श ग्रामों में लगातार कमी हो रही है।

छिन्दवाड़ा जिला/ ब्लाक में वर्तमान में जनसंख्या दशकीय वृद्वि-दर 13.0% है जनसंख्या घनत्व 177 है 2011 के आंकड़ों के अनुसार लिंगानुपात 966 है। जिले की

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

जनसंख्या का बड़ा हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। यहां रोजगार की समस्या है। ग्रामीण अंचलों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी है। चूंकि छिन्दवाड़ा जिला प्रकृतिक संसाधानों तथा कृषि संसाधनों के उचित विकास की अपार संभावना'ए है। इन संसाधनों का उचित विकास तथा औधौगिक विकास से उपरोक्त समस्याएa को हल किया जा सकता है।

निष्कर्ष

छिन्दवाड़ा विकासखंण्ड में (जिला/ छिन्दवाड़ा) जनसंख्या के सूक्ष्मस्तरीय अध्ययन से स्पष्ट है। कि जनसंख्या में वृद्वि–दर अधिक है। लिंगानुपात में निंरतर गिरावट आ रही है स्त्री–पुरूष 2011 के अनुसार 966 है जिनमें पुत्र मोह तथा वंशवृद्वि एवं लड़की को पराया धन समझने आदि प्रमुख कारण है। जिसके परिणाम स्वरूप लिंगानुपात में कमी आई है। कुल साक्षरता 71.16% है। तथा स्त्री–पुरूषों में स्त्रियों की साक्षरता कम है। अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि ग्रामीण अंचलों में चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया जाने की आवश्यकता है। अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर अपलब्ध कराकर धीरे–धीरे गरीबी के प्रतिशत् में कमी लाई जा सके ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Chandna, R.C. (2005): A Geogrphy of population Kalyani publishers, New Dehli.
2. पंडा, बी.पी. (2006): जनसंख्या भूगोल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रुंथ अकादमी भोपाल।
3. हीरालाल (2001): जनसंख्या भूगोल, ''वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर,।
4. डहाटे, प्रशान्त ,साहू एम.एस.(2006): बालाघाट जिले में जनसंख्या वृद्वि की दशाएं, विरसा ब्लाक का प्रतीक अध्ययन ''चर्मण्वती भूगोल शोध पत्रिका, अम्बाह मुरैना, vol. vi pp – 29-36.

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

Shodh International: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)
Vol. 2, Issue 1 - 2017

तालिका 1.छिदवाड़ा विकासखण्ड (जिले) के प्रतिदर्श ग्रामों का क्षेत्रफल एवं जनसंख्या

क्रं.	प्रतिदर्श ग्राम	जिला/तहसील विकासखण्ड से	जिला /तहसील/ विकासखण्ड से दूरी कि.मी.	जिला/ तहसील/ विकासखण्ड से सबंद्वता		कुल क्षेत्रफल वर्ग किमी में	कुल जनसंख्या		जनसंख्या घनत्व		निरपेक्ष घनत्व में वृद्वि
				कच्ची सड़क	पक्की सड़क		2001 *	2008**	2001*	2008 **	
1.	सुनारी मोहगाँव	छिंन्दवाड़ा	25	पक्की सड़क		4.21	640	650	152	154	2
2.	खापाकलाँ	छिंन्दवाड़ा	27	पक्की सड़क		5.05	1070	1100	211	217	6
3.	जैतपुर	छिंन्दवाड़ा	16	कच्ची सड़क		4.20	542	560	129	133	4
4.	धगाड़िया	छिंन्दवाड़ा	18	कच्ची सड़क		3.00	616	630	204	209	5
5.	सुसरई	छिंन्दवाड़ा	17	पक्की सड़क		3.10	778	799	250	257	7

स्त्रोत :– *जिला सांख्यिकीय कार्यालय छिन्दवाड़ा, 2001, **प्राथमिक सर्वे 2008 के अनुसार।

तालिका 2.सर्वेक्षण प्रतिदर्श ग्रामों की जातिवार जनसंख्या,2001-2008

प्रतिदर्श ग्राम	कुल जनसंख्या (प्रतिशत)		अनूसूचित जनजाति (प्रतिशत)		अनुसूचित जाति (प्रतिशत)		अन्य पिछड़ा वर्ग (प्रतिशत)		सामान्य वर्ग (प्रतिशत)	
	2001	**2008**	**2001***	**2008****	**2001***	**2008****	**2001***	**2008****	**2001***	**2008****
सुनारी मोहगांव	640	650	21.56	22.76	23.43	24.61	33.12	30.30	21.89	19.8
खापाकलाँ	1070	1100	3.36	4.30	12.71	14.79	75.08	7.50	7.82	5.90
जैतपुर	542	560	15.12	13.85	12.91	12.32	69.92	70.71	2.03	2.67
धगाड़िया	616	630	81.16	80.87	11.52	11.90	7.32	7.51	–	–
सुसराई	778	799	27.12	25.52	37.42	28.67	19.53	16.72	15.95	29.54

स्त्रोत :– *2001 के अनुसार, **क्षेत्रीय सर्वेक्षण 2008।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.